अर्पण | By Ankur Goyal

मैंने सब कुछ तुम्ही से है पाया
मुझे पत्थर से पारस बनाया
मुझे दिखलाया खुशियां का दर्पण
मेरा हर एक जनम प्रभु तुझे अर्पण
करूं सेवा तेरी गाऊं तेरे भजन

मेरी ज़िन्दगी थी काजल सी काली
तूने बना दी इसको रोशन दिवाली
नाम को शान दी मुझको पहचान दी
अपनी खुशबु से महकाया जीवन
मेरा हर एक जनम प्रभु तुझे अर्पण
करूं सेवा तेरी गाऊं तेरे भजन

जलती सी ज़िन्दगी को शीतल बनाया
कांटो सी चुभ रही थी मखमल बनाया
मेरा सब कुछ तू ही मुझको रखना यूँ ही
तेरी कृपा कभी भी ना हो कम
मेरा हर एक जनम प्रभु तुझे अर्पण
करूं सेवा तेरी गाऊं तेरे भजन

तेरी ही सेवा में जीवन बिताऊं
एहसान तेरे बाबा नहीं भूल पाऊं
सोनू को आस है तू अगर पास है
तो सुहाना है हर एक वो मौसम
मेरा हर एक जनम प्रभु तुझे अर्पण
करूं सेवा तेरी गाऊं तेरे भजन

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%aa%e0%a4%a3-by-ankur-goyal/